डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 01 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 08 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

अपनी बात

सत्रह का खतरा हुआ दूर, अब युवावस्था की शुरुआत...

आपके अपने दैनिक गुरु एक्सप्रेस के प्रकाशन के आज 17 वर्ष पूर्ण होकर 18वें वर्ष में प्रवेश हो गया है। यह युवावस्था की शुरुआत है। इस उम्र में जहां सरकार ने युवाओ को मताधिकार दे रखा है, वहीं बुजूर्गो की माने तो यही उम्र है, जबकि युवा वर्ग बिगड़ भी सकता है, यदि उसका मस्तिष्क में गलत तरह की सोच उपज गई तो..।

हम भी यह मानते है कि शैशव अवस्था से आप पाठको, स्नेहीजनो का जो प्यार, लाड़, दुलार हमें मिलता रहा है। उसे निरंतर बनाए रखेंगे। इन 17 वर्षो में आपने हमने कई बार उत्साह से लबरेज होकर त्यौहार और उत्सव मनाए है तो कोविड जैसी महामारी से भी दो-चार हुए है। इन वर्षो में गुरु एक्सप्रेस की कई खबरे अपने लोगो भी चुभी है तो अनेक खबरो से अपनो के हित की चिंता भी पुष्ट हुई है। हमारा मानना है कि आपका यही प्यार, स्नेह गुरु एक्सप्रेस को बुलंदी की ओर अग्रसर करता रहेगा।

हम मानते है कि यह समय गुरु एक्सप्रेस की उन्नति के लिए और अनुकूल बन रहा है। हालांकि, हमने कभी सत्ता का संरक्षण नहीं किया और कभी सत्ता पर निर्भर भी नहीं रहे है। इसलिए कई बार हमें दबाने, कुचलने की कोशिशे भी हुई है। हालांकि, हमारे इरादे नेक थे, है और रहेंगे। इसलिए कुछ समय के लिए शत्रु बनने वालो को सफलता नहीं मिल सकी। हमारा आज भी यह मानना है कि **''कलम जब तक कुर्सी की गोद में बैठी रहेगी, यकीन मानिए सच लावारिस की तरह भटकता फिरेगा।''** इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमने समाज के दबे, कुचले लोगो की आवाज बनने की कोशिश की है। परम पिता परमेश्वर के आशीर्वाद से पाठको, स्नेहीजनो, विज्ञापनदाताओ के भरोसे पर हम आगे भी खरा उतरने की कोशिश करते रहेंगे।

अंत में केवल इतना की ' बहुत तेज है इस कलम की धार में, इसे मिटा दे इतनी शक्ति नहीं किसी शस्त्र के प्रहार में।' बस यही कारण है कि आपका गुरु एक्सप्रेस चुप नहीं बैठ सकता है। समाज की आवाज हमेशा बना है और बनता रहेगा। आपका प्रेम, स्नेह बना रहें, इन्हीं अपेक्षाओ के साथ...

धन्यवाद

आपका ही सदैव
आशुतोष नवाल
सम्पादक
दैनिक गुरु एक्सप्रेस, मंदसौर

केंद्रीय मंत्री गोयल आज रतलाम में

रतलाम, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधान सभा चुनाव के पूर्व भाजपा के बड़े नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों के दौरे शुरू हो चुके है। रतलाम में आयोजित होने वाले प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल रविवार को रतलाम पहुंचेंगे। रतलाम में बीजेपी द्वारा 8 अक्टूबर को सैलाना रोड़ स्थित बालाजी सेंट्रल में दोपहर 12.30 बजे प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया गया है। इसमें केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल शामिल होंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय मंत्री 8 अक्टूबर को दोपहर विशेष विमान से नीमच से रतलाम आएंगे तथा प्रबुद्धजन सम्मेलन में सम्मिलित होने के बाद विमान से नागदा के लिए रवाना होंगे।

हे राम.. इतनी महंगाई....

पचास हजार का रावण पहुंचा ढाई लाख तक

[20 प्रतिशत तक बढ़ी महंगाई]

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। हे राम...इतनी महंगाई...! शायद राम से यही कह रहा होगा रावण। ऐसे में दशहरा पर्व पर बुराई के प्रतीक दहन होने वाले रावण के पुतलों पर भी महंगाई हावी हो गई है। कई जगहों पर तो इस महंगाई के कारण रावण का कद भी छोटा होने लगा है। बात मंदसौर की करें तो इस बार भी रावण के 71 फीट के पुतले का दहन होगा। जिसमें कुंभकर्ण और मेघनाथ भी होंगे। करीब 18 साल पहले की बात करें तो कोटा-बुंदी के कलाकारों ने पचास हजार रुपए तीनों के पुतले तैयार करने के लिए लिए थे। गत वर्ष लगभग ढाई लाख रुपए का खर्च तीनों पुतले तैयार करने में आया था। हर साल कभी पांच तो कभी दस तो कभी पद्रह प्रतिशत महंगाई बढ़ने से पुतले बनाने की लागत बढ़ी है। इस बार 20 प्रतिशत महंगाई रावण का पुतला तैयार करने में बढ़ गई है।

इस वर्ष दशहरा 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जिले में कई जगहों पर दशहरे पर रावण सहित मेघनांद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। मंदसौर में फतेहपुर सिकरी के कलाकारों द्वारा रावण के पुतले का निर्माण किया जाता है। रावण के पुतले तैयार करने में आने वाली सामग्री के दाम हर साल बढ़ रहे हैं। इसका असर रावण के पुतले पर भी देखा जा रहा है। कई जगहों पर देखा जा सकता है कि रावण के पुतले का कद लगातार छोटा हो रहा है। यह महंगाई बढ़ने का ही कारण है। जहां 18 साल पहले रावण सहित मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले तैयार करने वाले कोटा बूंदी के कलाकारों को पचास हजार रुपए दिए गए थे। वहीं पिछले साल ढाई लाख रुपए के लगभग खर्च हुए। महंगाई के अनुरूप इस बार यह राशि 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।

पुतले में लगने वाली सामग्री हुई महंगी...

कारिगरों के अनुसार इस बार निर्माण सामग्री के दाम काफी अधिक हो गए हैं। बांस, घास, सुतली से लेकर रंगीन कागज तक सभी सामग्री महंगी हो गई है। ऐसे में पुतलों की लागत, मजदूरी में भी इजाफा हुआ है। यही कारण है कि पुतला निर्माण के दामों में इजाफा किया गया है।

जीवागंज से हुई थी शुरुआत...

मंदसौर में दशहरा उत्सव की शुरुआत कई सालों पहले जीवागंज से हुई थी। तत्कालीन पार्षद रामचंद्र पहलवान ने रावण की बड़े रूप में शुरुआत यहीं से की थी। इसके बाद कुछ साल रावण दहन का आयोजन कालाखेत मैदान पर हुआ। इसकी अगुवाई उस समय गोपाल सोनी ने की थी। कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल के नेतृत्व में रावण दहन नूतन स्टेडियम में पिछे की और भी हुआ। इसके बाद इसे कॉलेज ग्राउंड पर स्थानांतरित किया गया।

महंगाई बढ़ी है...

पुतले में लगने वाली लागत लगभग बीस प्रश तक बढ़ी है। करीब 15 साल पहले रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले कोटा बुंदी के कलाकारों ने बनाए थे। उस समय पचास हजार रुपए का खर्च आया था। पिछली बार ढाई लाख रुपए लागत आई थी। इस बार महंगाई बढ़ने से निश्चित रूप से लागत में बढ़ोतरी होगी।

नरेंद्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, रावण दहन समिति मंदसौर

पुतला तैयार करने में उपयोगी सामग्री के दाम...

असमी बांस- 200 रु. प्रति नग
देशी बांस- 100 रुपए प्रति नग
सुतली- 130 रुपए किलो
तार- 90 से 100 रुपए किलो
कलर शीट 1500 से 3000

नशेबाज कार ड्राइवर पुलिया से टकराया

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर बायपास से मंदसौर रोड की तरफ एडीफाय स्कूल के पास एक कार एमपी 14 सीसी 8541 एक पुलिया से जा टकराई। गाड़ी पर विपणन अधिकारी की प्लेट भी लगी हुई थी। वाहन चालक पूरी तरह नशे में धुत्त था। मौके पर नाहरगढ़ टीआई दिनेश प्रजापति पहुंचे। यहां कार चालक से बात की। लेकिन, वह नशे में सही तरीके से बात तक नहीं कर पा रहा था। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही शुरु की है।

मामला महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या का...

पति और सास-ससुर को दस-दस साल की सजा

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सत्र न्यायाधीश गरोठ श्रीमती प्रिया शर्मा ने एक महिला की मौत के मामले में आरोपी श्यामलाल पिता रामप्रसाद व्यास उम्र 22 साल, ससुर रामप्रसाद पिता भंवरलाल व्यास उम्र 50 साल और गंगा बाई पति रामप्रसाद व्यास उम्र 40 साल सभी निवासी चंदवासा थाना शामगढ़ को दस-दस साल की सजा सुनाई है।

अपर लोक अभियोजक दिलीप नरवाल द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया की मृतिका गायत्री की शादी आरोपी श्यामलाल से 20 अप्रैल 2018 को हुई थी। शादी होने के एक वर्ष बाद से ही आरोपी मृतिका से दहेज की मांग करता हुआ प्रताड़ित करने लगा। श्यामलाल एवं उसके माता-पिता मृतिका गायत्री को अपने पीहर से दो लाख रूपये लाने के लिये दबाव डालते हुए मारपीट करते। 27 फरवरी 2020 को मृतिका गायत्री अपने ससुराल में फांसी पर लटकी हुई मिली। मृतिका गायत्री के परिजनों की सूचना पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जाँच में लिया गया। मर्ग की जांच के दौरान मृतिका के परिजनों से पूछताछ करने पर ससुराल वालों द्वारा दहेज की मांग को लेकर मृतिका को प्रताडित करने के तथ्य आये। जिससे परेशान होकर पीड़िता ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर संपूर्ण अनुसंधान उपरांत आरक्षी केंद्र शामगढ द्वारा अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में न्यायालय के समक्ष 16 साक्षियों के कथन करवाये गये। जिसके बाद न्यायालय ने आरोपियों को सजा सुनाई। प्रकरण में अभियोजन संचालन अपर लोक अभियोजक दिलीप नरवाल द्वारा किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास की सजा

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सपेस। विशेष न्यायधीश पॉक्सो एक्ट मंदसौर द्वारा आरोपी दीपक नायक पिता पूरालाल उम्र 22साल निवासी अरनिया गौड थाना सीतामऊ जिला मंदसौर को नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने के अपराध में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पीड़िता अपने घर से जंगल में रोजाना बकरियां चराने जाती थी। जंगल में आरोपी भी उसकी बकरियां चराने आता था, जिससे उनकी पहचान हो गई थी। आरोपी दीपक ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर पीडिता को बहला फुसला कर उसके साथ कई बार जंगल में गलत काम किया। उसके बाद आरोपी दीपक ने उससे कहा कि मेरे साथ भाग कर शादी नही की तो तुझे बदनाम कर दूंगा। इस तरह डराकर पीड़िता को आरोपी दीपक द्वारा रात्रि 12 बजे गांव के बाहर बुलाया गया। जहां पर आरोपी दीपक मोटरसाईकिल के साथ खड़ा था। वह पीड़िता को बिठाकर नीमच ले गया और रात में हरियाणा... **शेष पेज 4 पर**

टीआई आरसी डांगी को हटाना पड़ सकता है महंगा?

शराब माफियाओं पर कार्यवाही करने पर की गई कार्यवाही

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पिकअप से 150 पेटी अवैध शराब पकड़ने के तीसरे दिन ही सीतामऊ टीआई केएल डांगी को हटा दिया गया। इसको लेकर राजनीति खासी गरमा गई है। इसे शराब ठेकेदार के राजनीतिक संबंधों और सांठगांठ के रूप में भी देखा जा रहा है। इधर डांगी समाज भी टीआई के पक्ष में खड़ा हो गया है। इस मामले में समाजजनों ने वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा से भी मुलाकात की। इस संबंध में आज रविवार को कचनारा में बैठक करने की बात भी कहीं गई है। जिसमें इस मामले पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद निर्णय लिया जाएगा।

मंदसौर जिले में दो मंत्री सहित कई राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर तक पहुंच रखने वाले जनप्रतिनिधि है। लाजमी है कि क्षेत्र में राजनीतिक उठापटक चलती रहती है। गली मोहल्ले में एक न एक नेता नजर आ ही जाएगा। ऐसे में कई कार्रवाईयों पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल ही में सीतामऊ टीआई आरसी डांगी को लाईन भेजने को लेकर... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामले चिंताजनक

जब पढ़ाई और परीक्षा में प्रदर्शन के दबाव की वजह से विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या के बढ़ते मामले चिंता के केंद्र में आ गए हैं, ऐसे समय में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से एक बेहद जरूरी पहल की गई है। 'उम्मीद' नाम से तैयार अपने मसविदा दिशानिर्देशों में मंत्रालय ने कहा है कि बच्चों के बीच आत्महत्या की बढ़ती समस्या को रोकने के लिए 'वेलनेस' यानी आरोग्य टीम गठित की जाए और साथ ही अगर कोई विद्यार्थी आत्महत्या के जोखिम से जुड़ा कोई संकेत प्रदर्शित करता है तो उसकी तत्काल पहचान करके उसे ऐसी स्थिति से बाहर लाने में सहयोग किया जाए। दरअसल, यह एक जटिल समस्या के रूप में चिह्नित किया जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान पढ़ाई-लिखाई में उपजी नई परिस्थितियां कुछ विद्यार्थियों के सामने ऐसा दबाव पैदा कर रही हैं कि कई बार वे उसे बर्दाश्त कर पाने में सक्षम नहीं हो पाते और आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। इस स्थिति की मूल वजहों के साथ-साथ समस्या यह भी है कि ऐसी स्थिति में पड़े बच्चों को ठीक समय पर आसपास का सहयोग नहीं मिल पाता है और वे अपने उलझे हालात में और गहरे फंसते चले जाते हैं। ऐसे में स्कूलों या शैक्षिक संस्थानों के भीतर भी अगर कोई ऐसा तंत्र खड़ा किया जा सके जो दबाव और उससे उपजी परिस्थितियों का सटीक आकलन करे और इसके असर में पड़े विद्यार्थियों की पहचान करके समय पर ठोस मदद मुहैया कराए तो इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देश एक बेहतर रास्ता तैयार करने की कोशिश है, जिसे विकसित करने के पीछे का मुख्य विचार है- 'हर बच्चे का महत्व है'। इसके तहत स्कूलों को संवेदनशीलता और समझ बढ़ाने के साथ-साथ अपना नुकसान करने से बचाने के लिए बच्चों को समय पर सहायता प्रदान करने को कहा गया है। यों भी आत्महत्या आमतौर पर अचानक उपजी परिस्थिति का नतीजा नहीं होते और इसमें सामाजिक धारणाएं और सोच एक प्रमुख कारक और प्रभाव के रूप में काम करती हैं। इसलिए दिशानिर्देश में स्कूलों, अभिभावकों और समुदाय के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने, खुदकुशी को रोकने और आत्मघाती व्यवहार से जुड़ी नकारात्मक सोच को खत्म करने के मकसद से सामाजिक सहयोग और समर्थन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है। यह विडंबना ही है कि बच्चों के लिए स्कूली या किसी भी स्तर की जो शिक्षा सहजता से ज्ञान प्राप्त करने, बौद्धिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण का जरिया होना चाहिए, वह एक ऐसे दबाव के रूप में काम करने लगती है, जिसका बोझ सह पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। सवाल है कि हर परीक्षा में सबसे ज्यादा अंक लाने, किसी प्रतियोगिता में हर हाल में सफल होने और पद हासिल करने की बेलगाम होड़ बच्चों में कैसे पैदा हो जाती है? स्कूल से लेकर समाज और खुद अभिभावकों के भीतर परीक्षा में ऊंचे अंक के आधार पर देखने की भूख ने बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पढ़ाई-लिखाई के बीच उनके विवेक, धीरज और संतुलन पर इसका घातक असर पड़ता है। शिक्षा और शिक्षण की परिस्थितियों को सहज और ज्ञान प्राप्ति का जरिया बनाने के साथ-साथ अगर बच्चों के भीतर उथल-पुथल की पहचान समय पर करके उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया कराई जा सके तो इस समस्या का हल निकाला जा सकता है। लेकिन इसके लिए अंक आधारित महत्वाकांक्षा की परिभाषा को बदल कर बेहतर, संवेदनशील और बुद्धिमान मनुष्य बनाने की कसौटी तैयार करनी होगी। इस लिहाज से देखें तो केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर जारी ताजा दिशानिर्देश एक स्वागतयोग्य पहल है।

जाति आधारित गणना: क्या नीतीश कुमार को होगा फायदा?

नीरज कुमार दुबे

बिहार मंत्रिमंडल ने पिछले साल दो जून को जाति आधारित गणना कराने की मंजूरी देने के साथ इसके लिए 500 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। जरा सोचिये, यदि यह राशि विकास कार्यों में लगाई गयी होती तो राज्य के लोगों को इसका कितना लाभ मिलता।

बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने जाति आधारित गणना करवा कर उसके आंकड़े जारी कर दिये हैं। बिहार सरकार के इस कदम को बहुत बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है और दावा किया जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जो लोग नीतीश कुमार सरकार के इस कदम को मास्टर स्ट्रोक बता रहे हैं उन्हें समझना होगा कि यह मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार को पिछड़ेपन से आजादी मिल जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में स्कूलों की हालत सुधर जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में अस्पतालों की हालत सुधर जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में गुंडाराज और माफिया राज का खात्मा हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में पेपर लीक होना बंद हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में भ्रष्टाचार समाप्त हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में बेरोजगारी समाप्त हो जाती और पलायन रुक जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में शराबबंदी के बावजूद जहरीली शराब पीने से होने वाली मौतें बंद हो जातीं, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में सड़कों की हालत सुधर जाती। मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में उद्योग-धंधे लग जाते, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में नौकरी की मांग पर पुलिस लाठीचार्ज होना बंद हो जाता। मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार भी जीएसटी संग्रहण में कुछ योगदान कर पाता। इसलिए नीतीश कुमार का यह फैसला मास्टर स्ट्रोक नहीं बिहार को पीछे धकेलने का प्रयास है। यह बात सही है कि सरकार के पास जनसंख्या संबंधी विस्तृत आंकड़े होंगे तो विकास योजनाएं बनाने में आसानी होगी लेकिन जब जाति जनगणना के आंकड़े जल्द ही होने वाली राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना से भी हासिल किये जा सकते हैं तो राज्यों को अपनी मशीनरी का इस्तेमाल जाति आधारित राजनीति के लिए करने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि बिहार मंत्रिमंडल ने पिछले साल दो जून को जाति आधारित गणना कराने की मंजूरी देने के साथ इसके लिए 500 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। जरा सोचिये, यदि यह राशि विकास कार्यों में लगाई गयी होती तो राज्य के लोगों को इसका कितना लाभ मिलता। जरूरत इस बात की थी कि नीतीश कुमार अपने लंबे कार्यकाल में किये गये कार्यों की रिपोर्ट कार्ड जारी कर अपनी उपलब्धियां बताते लेकिन उन्होंने जाति आधारित गणना करवा कर चर्चा को दूसरी ओर मोड़ने का प्रयास किया है। बिहार सरकार में शामिल नेता अब हुंकार भर रहे हैं कि वह राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के लिए माहौल बनाएंगे। कुछ लोग इसे मंडल पार्ट-2 कह रहे हैं। ऐसे नेताओं को याद रखना चाहिए कि मंडल

भाग-1 के दौरान कुछ लोगों द्वारा जिस तरह की राजनीति की गयी थी उससे समाज को बहुत नुकसान हुआ था और देश में अशांति फैली थी इसलिए बिहार सरकार ने जो कुछ किया उसे मंडल पार्ट-2 की संज्ञा देकर माहौल को बिगाड़ा नहीं जाना चाहिए। आज जब देश तरक्की के रास्ते पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भर में मंदी के माहौल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं, ऐसे में विकास की बात ना कर जाति को महत्व देना गलत है। जरा दुनियाभर में नजर उठा कर देखिये किस विकसित देश ने आगे बढ़ने के लिए जाति या धर्म को महत्व दिया है? हम आपको यह भी याद दिला दें कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने राज्य में जाति आधारित गणना का आदेश पिछले साल तब दिया था, जब केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह आम जनगणना के हिस्से के रूप में एससी और एसटी के अलावा अन्य जातियों की गिनती नहीं कर पाएगी। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह कहना पूर्णतया तर्कसंगत था कि जनगणना करते समय अन्य पिछड़ी जातियों की गणना नहीं की जाएगी। जहां तक पिछड़ों की गणना का सवाल है, पहली बात तो यह है कि अक्सर हर जाति के लोग अपने आप को पिछड़ा बताने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलेगा। उसका नतीजा यह होता है कि किसी प्रदेश के एक जिले में जो जाति सवर्ण है, वही दूसरे प्रदेश के अन्य जिले में पिछड़ी है। हम आपको यह भी बता दें कि देश में आखिरी बार सभी जातियों की गणना 1931 में की गई थी। 1931 की जनगणना में जातियों की संख्या पूरे भारत में 4147 थी लेकिन 2011 की जनगणना में उनकी संख्या छलांग मारकर 46 लाख तक पहुंच गई। देखा जाये तो किसी भी व्यक्ति की जाति को निर्धारित करने का कोई निश्चित वैज्ञानिक पैमाना नहीं है। वह जो कह दे, वही सही है। सच्चाई तो यह है कि पिछड़ा, पिछड़ा होता है। उसकी कोई जाति नहीं होती। हर जाति में पिछड़े हैं और हर जाति में अगड़े हैं। इसीलिए जनगणना करने वाले बाबू लोग कभी-कभी बड़े विभ्रम में पड़ जाते हैं। वे देखते हैं कि गांवों के बड़े-बड़े जमींदार, जिनके बच्चे विदेशों में पढ़ रहे हैं, वह अपनी जाति के आधार पर अपने को पिछड़ों में शामिल करवा लेते हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि सरकार ने 2011 में पिछड़ेपन का सर्वेक्षण करवाया था। उसमें जाति संबंधी जानकारी भी मांगी गयी थी लेकिन 2010-11 में चले 'मेरी जाति हिंदुस्तानी' आंदोलन ने इतना तगड़ा दबाव बनाया कि सरकार ने उन आंकड़ों को जारी ही नहीं किया था। बहरहाल, मोदी सरकार का यह संकल्प स्वागत योग्य है कि वह जातीय जनगणना नहीं करवाएगी। वैसे भी जाति जनगणना पिछड़ों के भले के लिए नहीं नेताओं ने अपने भले के लिए कराई है ताकि हिंदू समाज को बांट कर अपने राजनीतिक हितों को साधा जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इस मुद्दे पर विपक्ष पर हमला यह कहते हुए बोल ही दिया है कि कांग्रेस ने गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और छह दशकों तक देश को जाति के आधार पर विभाजित किया है और यह -पाप- वह अब भी कर रही है। जो लोग इस बात की गलतफहमी पाले बैठे हैं कि जाति आधारित गणना के चलते अगले लोकसभा चुनावों के लिए माहौल पूरी तरह भाजपा के खिलाफ हो जायेगा, उन्हें यह समझना होगा कि देश का कोई एक भाग भले जाति आधारित राजनीति के कुचक्र से अब तक बाहर नहीं निकला हो लेकिन बाकी देश विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ रहा है और चुनाव में मतदान देशहित से जुड़े मुद्दों को देखते हुए ही करेगा

मन हमारा, मन का हर सुख हमारा...

ट्विंकल तोमर सिंह

जीवन की रेलगाड़ी इतनी तेज भागती है कि हम खिड़की से बाहर दिखते दृश्यों को देखने में अति व्यस्त रहते हैं। इसे 'व्यस्त रहना' कहना भी ठीक नहीं होगा। इसे किसी मेले की 'चहल-पहल में खो जाना' कहना उचित होगा। बाहर दिखते दृश्य मन के तंतु से जुड़े होते हैं। हम जो सोचना चाहते हैं, वह नहीं सोचते, जो हमारा वातावरण हमें सोचने पर मजबूर कर देता है, हम वह सोचते हैं। जैसे कि मन किसी एक अदृश्य डोर के जरिए किन्हीं अज्ञात शक्तियों के हाथ पतंग बना उड़ रहा हो। लगता है ये उड़ान अपनी है, पर जो चाहे ढील दे दे, जो चाहे डोर खींच ले।कोई आया और भली-बुरी बात कह गया। हम बैठ गए परत-दर-परत उधेड़ने। या तो सोचने लगे कि उसने ऐसा क्यों कहा, या पछताने लगे कि उसे ये जवाब क्यों न दिया। कोई आया प्रेम प्रकट कर गया। हम खो गए 'ऑक्सिटोसिन' (प्रेम हार्मोन) की एक खुराक लेकर। जैसे लगता है कि कोई सुखद लोक में ले जाने वाली दवा हो। बैंक से संदेश आया कि आपकी महीने की किस्त बाकी है, हम सोचने लगे महीने के खर्चों को व्यवस्थित करने में।उसे व्यवस्थित करने में कोई बुराई नहीं है, पर जो मन अस्त-व्यस्त हो चला, उसका क्या? सोशल मीडिया पर जिससे कोई मतलब नहीं, वह बिना संदर्भ के भी कोई बात लिख रहा है और हमारा खून खौल रहा है। हमारे आसपास के लोगों के द्वारा पीछे की गई चुगलियां खमीर की तरह मन में फूल रही हैं। कार्यस्थल पर कही गई या अनकही बात, सबको लेकर हम बचाव की मुद्रा में हैं, मन में मनन चल रहा है कि जाने अगला क्या सोच रहा होगा। मन हमारा, मन का हर सुख हमारा, पर लगाम दूसरों के हाथों में? ऐसा क्यों? हम घर सजाते हैं, शरीर सजाते हैं, जीवन भी कुछ हद तक सजाने की कोशिश करते हैं, बस नहीं सजा पाते तो अपना मन। सब कुछ वहां अस्त-व्यस्त पड़ा है। क्यों नहीं मन की अलमारी में सभी विचारों को व्यवस्थित तरीके से अलग-अलग खानों में रख पाते? क्यों दूसरों को अधिकार है कि वे आकर हमारे मन की अलमारी को उलट-पुलट जाएं? जो यादें बेकार की हैं, जो केवल जगह घेरे बैठीं हैं, उन्हें निकाल कर फेंक क्यों नहीं देते? होना तो यही चाहिए था कि सबसे पहले हम अपना मन सजाते। सारी गंदगी बाहर निकाल फेंकते और बाहर से फेंके गए किसी भी कूड़े को अंदर न आने देते। कभी गौर करके देखिएगा कि बच्चे हमारी तरह दुख से बोझिल क्यों नहीं होते। दरअसल, उनका मन सुंदर होता है। उनके मन में कोई भी कोलाहल, कोई हलचल, कोई अव्यवस्था नहीं है। वे प्रतिदिन सुबह उठते हैं, दिन भर खेलते-कूदते हैं, न सुख को मन में संजोते हैं, न दुख की पोटली बांध कर रखते हैं। रोज का हिसाब रोज चुकता कर रात को गहरी नींद सोकर सब कुछ भूल-भाल कर दूसरे दिन उठते हैं, फिर अपने कार्य में लग जाते हैं। ऐसा नहीं कि उनके पास दुख के कारण कम हैं, या बुद्धि कम है। एक शिशु को अपनी मां के दूर जाने पर जितना अधिक दुख होता है, उतना ही दुख किसी कारोबारी को पैसे के नुकसान से होता है। दुख की तीव्रता मायने रखती है, दुख का कारण नहीं। व्यवसायी अवसाद में चला जाता है, शिशु नहीं। फर्क है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के मनोवैज्ञानिकों ने 'खुशी' को लेकर एक शोध किया कि आखिर लोगों के खुश रहने में इतना अंतर क्यों है, हर व्यक्ति के लिए 'खुशी' का एक निर्धारित बिंदु होता है। शोध के मुताबिक, जीवन में पचास फीसद खुशियों के कारण आनुवंशिक होते हैं। बच्चे माता-पिता से उनके मन का एक हिस्सा भी ले आते हैं, इसीलिए मां को सलाह दी जाती है कि गर्भावस्था में खूब खुश रहना चाहिए। वहीं दस फीसद खुशियों में परिस्थितियों की भूमिका होती है। शेष चालीस फीसद खुशियों के लिए हम खुद उत्तरदायी होते हैं। यानी अपनी खुशियों का एक बड़ा हिस्सा हम खुद नियंत्रित करते हैं। इसमें हमारा चीजों को देखने, सीखने का दृष्टिकोण बहुत भूमिका निभाता है। मन में हर प्रकार के विचार चलेंगे कि उन पर अंकुश नहीं लगा सकते। हम मन को कुछ अच्छा सोचने के लिए ईंधन दे सकते हैं।

राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था से भ्रष्टाचार की सफाई करने में जुटे हैं मोदी

मोदी की साफ-सुथरी छवि एवं भ्रष्टाचारमुक्त राजनीति का ही परिणाम है कि विपक्ष की अनेक कोशिशों के बावजूद वे उनके खिलाफ कोई एक भी मुद्दा नहीं खोज पाये। केंद्र की मोदी सरकार ने राजनीति में बड़े बदलाव भ्रष्टाचार और करप्शन के मुद्दे पर किए हैं। देश में स्वच्छता अभियान से ज्यादा जरूरी हो गया राजनीतिक स्वच्छता अभियान। क्योंकि आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये राजनीति का शुद्धिकरण यानी अपराध एवं भ्रष्टाचारमुक्त होना अपेक्षित है। आज कौन-सी पार्टी है जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता का पालन कर रही है? शोचनीय बात यह है कि अब भ्रष्टाचार, आतंकवाद एवं साम्प्रदायिकता को पोषित करने वाले एवं देशविरोधी राजनीति के दोषी शर्मसार भी नहीं होते। इस तरह का राजनीतिक चरित्र देश के समक्ष गम्भीर समस्या बन चुका है। राजनीति की बन चुकी मानसिकता और भ्रष्ट आचरण ने पूरे लोकतंत्र और पूरी व्यवस्था को प्रदूषित कर दिया है। स्वहित और स्वयं की प्रशंसा में ही लोकहित है, यह सोच हमारी राजनीति में घर कर चुकी है। यह रोग राजनीति को इस तरह जकड़ रहा है कि हर राजनेता लोक के बजाए स्वयं के लिए सब कुछ कर रहा है। अधिकतर राजनीतिज्ञों का मकसद बस किसी तरह चुनाव जीतना और सत्ता में जाना हो गया है। चुनाव जीतने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जाता है और सत्ता में आने पर पैसा बनाने के सारे हथकंडे अपनाए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ वर्ष पहले स्वच्छता अभियान छेड़ा, जिसका व्यापक असर हुआ। अब देश में दूषित होती राजनीति में स्वच्छता अभियान शुरू करने की पहल करने की अपेक्षा है। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं और इसके बाद अगले वर्ष लोकसभा चुनाव का बिगुल बज उठेगा। ऐसे दौर में राजनीति में सुधार की कोरी बातें ही नहीं बल्कि संकल्पित होने का वक्त आ गया है। यह वक्त देखा जाए तो चुनाव सुधार एवं राजनीति में नैतिक मूल्यों को बल देने का बिगुल बजाने का है। चुनाव में अच्छे एवं ईमानदार, लोग चुन कर आएं इसके लिए राजनीति में अपराधियों का प्रवेश तो रोकना ही होगा, वंशवाद, जातिवाद, धनबल व बाहुबल जैसी राजनीति में घुस आई गंदगी को साफ करने के लिए 'जागरूकता की झाड़ू' को उठाना ही होगा। अभी तो आम धारणा यही बनती जा रही है कि ईमानदारी के बलबूते चुनाव जीतना आसान नहीं है। लेकिन आगामी चुनावों में इस धारणा को बदल देना है। चुनाव सुधारों को लेकर उच्चतम न्यायालय से लेकर चुनाव आयोग तक की सिफारिशें एवं सुझाव हर बार हवा होते रहे हैं। उन पर अमल करने की परवाह किसी को नहीं होती। ठीक इसी तरह राजनीति के शुद्धिकरण का संकल्प भी हर चुनाव में खारिज होता रहा है, लेकिन कब तक? प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति में नैतिक एवं ईमानदार चेहरा को प्रोत्साहन दिया है। ऐसा करके उन्होंने यह भी जता दिया कि राजनीति की चली आ रही परिभाषाएं अब बदलने लगी हैं। अब मोदी के नाम पर उन राज्यों में चुनाव जीतने के कीर्तिमान स्थापित हुए हैं, जहां चुनाव जीतना किन्हीं खास धनबल, बाहुबल एवं अपराधिक तत्वों के नाम लिखे हुए थे। बात लोकसभा चुनाव की नहीं, विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों की है कि मोदी के नाम पर ये चुनाव इतने सफल क्यों एवं कैसे हो रहे हैं? पार्टी के कद्दावर नेता, जिनके बिना राज्य में चुनाव जीतना असंभव माना जाता रहा है, उन नेताओं के नाम की बजाय मोदी के नाम पर वोट मांगने की परम्परा मजबूत एवं सफल होती जा रही है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5017

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5016

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5017

संकेत: बाएं से दाएं

वर्ग पहेली 5016 का हल

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

काले सोने से लिखा जाएगा सुनहरा इतिहास

बीना रिफाइनरी से बुंदेलखंड के विकास को लगेंगे पंख, बिजली, प्लास्टिक, फूड स्टोरेज, पानी के पाइप, फार्मास्युटिकल्स, ब्यूटी सहित कई उत्पाद तैयार हो सकेंगे

भोपाल, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के सागर की बीना रिफाइनरी काले सोने से राज्य का सुनहरा इतिहास लिखेगी। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बीना रिफाइनरी बुंदेलखंड के साथ ही राज्य के लिए तरक्की के रास्ते खोलने जा रही है। रोजगार के अलावा मध्यप्रदेश में इसी कच्चे तेल से प्लास्टिक बनाने की तैयारी भी की जा रही है। सागर जिले की बीना रिफाइनरी में कच्चे तेल से प्लास्टिक बनाने वाले 49,926 करोड़ रुपए के चार बड़े प्लांट लगाए जाएंगे। कच्चे तेल के विभिन्न घटकों से यहां खिलौने, पाइप, कंटेनर, फार्मासियुटिकल्स, रैपिंग मैटेरियल, प्लास्टिक के डिब्बे सहित करीब 14 उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। बीना का अपना रेलवे जंक्शन भी हैं, जिससे तैयार माल को देश के किसी भी कोने में आसानी से पहुंचाया जा सकेगा।

5 सालों में बदलेगी तस्वीर, 2 लाख लोगों को अस्थाई रोजगार–पेट्रोलियम को काला सोना भी कहा जाता है, जो जानवरों या पौधों के अवशेषों से उत्सर्जित होता है। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के सागर में 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की बीना रिफाइनरी का औपचारिक उद्घाटन किया गया था। बीना रिफाइनरी अगले पांच सालों में राज्य की तस्वीर बदल कर रख देगी। प्रोजेक्ट के माध्यम से दो लाख से अधिक लोगों को अस्थाई रोजगार मिलेगा, कच्चे तेल के विभिन्न घटकों से 14 उत्पाद तैयार करने के प्लांट लगाए जा सकेंगे। जिनकी बड़ी संख्या में देश में ही नहीं विदेशों में भी मांग है। प्लास्टिक के दाने से प्लास्टिक के विभिन्न उत्पाद जैसे खिलौने, पाइप, बैग, कंटेनर, फार्मास्यूटिकल, रैपिंग मैटिरियल, पेंट, बाल्टी आदि तैयार किए जा सकेंगे।

नई फैक्ट्रियां लगने से बढ़ेगा रोजगार–बीना में अभी 535 वर्गमीटर क्षेत्रफल के लगभग 150 प्लांट खाली हैं। प्लांट के अगले चरण की विस्तार योजना में इन प्लांट पर प्लास्टिक उत्पादों की फैक्ट्रियां लगाई जाएंगी, जिसमें बड़ी संख्या में मानव संसाधन या श्रम की जरूरत होगी। प्लास्टिक आधारित फैक्ट्री स्थापित होने से बुंदेलखंड के लोगों का रोजगार के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन रूकेगा। परियोजना के माध्यम से लगभग दो लाख लोगों को अस्थाई रोजगार दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र की गरीबी दूर होगी। तकनीकी दक्षता के साथ ही बीना रिफाइनरी से उत्पादों के विपणन और मार्केटिंग से जुड़े रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जब यह कॉम्प्लेक्स बनकर तैयार हो जाएगा तो इसके ऑपरेशन सहित प्रशासनिक कामों के लिए लगभग 500 लोगों को परमानेंट जॉब मिलेगी। अभी बीना रिफाइनरी में लगभग 560 कर्मचारी और अफसर कार्यरत हैं। मालूम हो कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) विश्व की 500 कंपनियों में शामिल है। यह देश की दूसरी सबसे बड़ी भारतीय तेल विपणन कंपनी है।

गुजरात, राजस्थान और यूपी बड़ा मार्केट–एक अनुमान है कि पेट्रो केमिकल्स की मांग 2035 तक विश्व में 32 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। देश में पेट्रो केमिकल्स की भारी डिमांड है। अभी तक ज्यादातर मांग विदेशों से आयात कर पूरी होती है। बीना पेट्रोकेमिकल्स से यह मांग पूरी हो सकेगी। इससे देश में होने वाले आयात में प्रतिवर्ष लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के समान विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इस परियोजना के सफल होने पर मध्य प्रदेश खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास में क्रांति जागेगी। यहां बीपीसीएल के पेट्रोकेमिकल्स उत्पादों पर निर्भर उद्योग लगाए जा सकते हैं। इसके साथ ही तैयार उत्पादों को गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश सहित बिहार और दक्षिण भारत में भेजा जा सकेगा।

अरूण यादव की उगाई फसल फिर काट गया कोई और

कभी दिग्गजों के पुत्र प्रेम की बलि चढ़े, कभी विधायकी के आड़े आई गुटबाजी

वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं का चुनाव से इंकार, कैसे लगेगी कांग्रेस की नैया पार

भोपाल, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मान-मनौव्वल, सिर फुटव्वल... मध्य प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में इन दिनों ये ही चल रहा है। टिकट वितरण को लेकर असंतोष खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। प्रदेश के कई नेता विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान की ईच्छा थी कि भाजपा की तर्ज पर कुछ बड़े नाम वाले नेताओं को उनके क्षेत्र में विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाए, लेकिन इनमें से कुछ नेताओं ने चुनाव लड़ने से सार्वजनिक रूप से इंकार कर दिया है। प्रदेश स्तर के बड़े नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव भी इन नेताओं में से एक हैं जिन्होंने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। लेकिन उनकी इस घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस की कलह एक बार फिर लोगों के सामने आ गई है। वैसे 2021 के उपचुनाव के दौरान भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अरुण यादव का दर्द छलक आया था कि फसल वे उगाते हैं लेकिन काटने के लिए किसी दूसरे को दे दी जाती है।

2021 में दिग्गजों के पुत्र प्रेम की बलि चढ़े थे यादव–साल 2021 में खंडवा संसदीय सीट पर उपचुनाव हुआ था। कांग्रेस की ओर से चर्चा थी कि अरूण यादव को लड़ाया जाएगा, लेकिन आखिर समय में उन्होंने खंडवा उपचुनाव लड़ने से मना कर दिया था। सार्वजनिक रूप से अरुण यादव ने भले ही इसके पीछे पारिवारिक कारण बताया था, लेकिन राजनीति के जानकारों का कहना है कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के पुत्र प्रेम के कारण ही अरुण यादव की बलि चढ़ाई गई थी। इस बार भी अरुण यादव के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने के पीछे भी कांग्रेस की इसी गुटबाजी को मुख्य कारण माना जा रहा है।

सांसद विवेक तन्खा भी कर चुके हैं मना–कांग्रेस नेता भोपाल से लेकर दिल्ली तक बैठकें कर रहे हैं लेकिन स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव सीधे तौर पर चुनाव लड़ने से मना कर चुके हैं। बीते विधानसभा चुनाव में अरूण यादव मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ बुधनी विधानसभा चुनाव से लड़े थे, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी के केंद्रीय महासचिव दिग्विजय सिंह ने भी इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। उनके बाद वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने भी यही रूख अख्तियार किया और चुनाव लड़ने में अनिच्छा जाहिर की है। इन हालातों को देखकर तो जनता के मन में सवाल उठने लगा है कि कांग्रेस की नैया का आखिर कौन होगा खिवैया?

जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। नीमच मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टरेट सभा कक्ष नीमच में जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति(दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शायदा बाई धनगर, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं जिले के सभी सीएमओ एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सासंद श्री सुधीर गुप्ता ने निर्देश दिये कि बगैर सूचना एवं स्वीकृति के बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया जा। बैठक में सांसद द्वारा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा संचालित सांसद निधि, विधायक निधि व अन्य विकास एवं निर्माण कार्यो की संख्या, प्रगतिरत कार्यो की संख्या, पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यो, अप्रारंभ कार्यो की संख्या की जानकारी ली। सांसद ने निर्माण कार्यो की गुणवत्ता जांच की व्यवस्था के बारे में भी पूछा। सांसद ने प्रगतिरत सभी कार्यो को नवम्बर माह तक पूरा करवाने के निर्देश दिए।

मण्डी निधि से ट्रांसपोर्ट नगर में सीसी रोड़ बनेगी, निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। शनिवार को कृषि उपज मंडी के पास ट्रांसपोर्ट नगर में मण्डी की स्थायी निधि से बनने वाले एप्रोच रोड़ के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। पशुपतिनाथ पेट्रोल पंप से कृषि उपज मंडी के पिछले गेट तक लगभग 6 करोड़ रू. की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर में मण्डी निधि से एप्रोच रोड़ बनेगी। इस रोड़ के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी विष्णु तुगनावत, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्री राजू चावला, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती भारती पाटीदार, पार्षद सुनीता भावसार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय मुरड़िया, नपा सभापति निर्मला नरेश चंदवानी, निलेश जैन, सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, पार्षदगण ईश्वरसिंह चौहान, दीपक गाजवा, कमलेश सिसौदिया, नरेन्द्र बंधवार, आशीष गौड़, अमन फरक्या, विनय दुबेला, नंदलाल गुजरिया, राजेश सोनी ऐरावाला, मण्डी व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेन्द्र नाहर, ट्रांसपोर्ट एसोसिऐशन अध्यक्ष सुरेशसिंह शेखावत, फल सब्जी व्यापारी संघ अध्यक्ष भगवानदास मेघनानी, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी सुभाष नाहर, दशरथ कुमावत, सुरेश पाटीदार, गुरमित मक्कड़, पूर्व पार्षद अशोक कर्नावट, विजय पोपट, हम्माल यूनियन के दिलीप ग्वाला, समाजसेवी सुशील तरवेचा, अशोक विजयवर्गीय, सत्यनारायण गुर्जर, योगेश जैन, विजय बम्बोरिया, संजय गोयल, अनिल मालवीय, सीएमओ सुधीरकुमारसिंह, मण्डी सचिव पर्वतसिंह सिसौदिया, नरेश चंदवानी सहित कई नागरिकगण उपस्थित थे।

दुनिया के नक्शे पर जगमगा रही है महाकाल नगरी

धर्म, संस्कृति, आस्था और विकास की चमचमाती तस्वीर बनता उज्जैन

भोपाल, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। महाकाल नगरी उज्जैन के विकास के लिए महाकुंभ के बाद ही मध्य प्रदेश सरकार ने एक ऐसा मॉडल खड़ा करने की शुरूआत कर दी थी जो राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धर्म, संस्कृति, आस्था के साथ-साथ रोजगार के नए रास्ते भी खोले। आज वही तस्वीर साकार रूप में दिखाई देने लगी है। मध्य प्रदेश की पावन महाकाल नगरी उज्जैन को आज महाकाल लोक के नाम से राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है । महाकाल लोक के पहले चरण का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया तो दूसरी तस्वीर गुरुवार को सामने आई, जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 242 करोड़ से अधिक के महाकाल लोक के दूसरे चरण का लोकार्पण किया।

स्थानीय रोजगार में 200 प्रतिशत की वृद्धि– 11 अक्टूबर 2022 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल लोक का लोकार्पण किया एवं उपरोक्त लोकार्पण समारोह एवं महाकाल लोक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अचानक सुर्खियों में आ गया। महाकाल की नगरी उज्जैन की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत अटल एवं अमिट है परंतु धर्म संस्कृति के साथ-साथ महाकाल लोक के लोकार्पण के पश्चात ऐतिहासिक रूप से उज्जैन नगरी लगभग आठ गुनी रफ्तार में विकास के साथ-साथ व्यापार से जुड़ती चली गई। उज्जैन नगरी में महाकाल लोक के निर्माण के साथ प्रॉपर्टी की कीमतों में एक तरफ जहां चार गुना प्रगति हुई वहीं दूसरी ओर स्थानीय रोजगार में भी 200% से अधिक प्रगति सामने आई।

भक्तों की संख्या और दान की तीन गुना रफ्तार–वर्ष 2020 में महामारी काल के दौरान एक तरफ जहां महाकाल की नगरी उज्जैन में भक्तों के दर्शन का प्रतिशत 15 से 18% पर आ गया था वहीं दूसरी ओर 2021 के बाद भक्तों की संख्या दोगुनी हो गई। परंतु 2022 में महाकाल लोक के निर्माण के बाद भक्तों की संख्या में 2021 की तुलना में लगभग तीन गुना प्रगति हुई। महाकाल मंदिर समिति को वर्ष 2021 में 22 करोड़ 13 लाख रुपए का दान प्राप्त हुआ, वहीं वर्ष 2022 में यह दान बढ़कर 46 करोड़ 51 लाख पर पहुंच गया। इसी तरह स्थानीय व्यापार में लगभग 200 प्रतिशत अधिक प्रगति हुई, नवीन रोजगार एवं प्रॉपर्टी के दामों में भी चार से 10% तक का इजाफा हुआ। कुल मिलाकर वर्ष 2022 में महाकाल की नगरी को ऐतिहासिक गति और व्यापार में शानदार प्रगति प्राप्त हुई।

महाकाल की कृपा से सब काम हो रहा है : सीएम–महाकाल मंदिर का परिसर 2.87 हेक्टेयर से बढ़कर 47 हेक्टयर हो चुका है। 856 करोड़ की श्री महाकाल मंदिर परिसर विस्तार योजना के प्रथम चरण में 351 करोड़ रुपए के कार्यों कों रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। 242 करोड़ 35 लाख रुपए लागत से दूसरे चरण के विकास कार्य किए गए। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान सीएम शिवराज ने 284 करोड़ रुपए की लागत के यूनिटी मॉल और 250 करोड़ रुपए की लागत के मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन भी किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री महाकाल की कृपा से उज्जैन में विकास कार्यों के लिये तीन हजार करोड़ रुपए अलग से आ रहा है। निश्चित रूप से महाकाल लोक के प्रथम चरण के पश्चात द्वितीय चरण के विकास का वास्तविक स्वरूप जब सामने आएगा तो महाकाल नगरी नए सांस्कृतिक धार्मिक एवं पुरातत्व के वैभव के साथ-साथ व्यापार की नई परिभाषा लिखती हुई दिखाई देगी। मध्य प्रदेश में सर्वाधिक महाकाल नगरी के दर्शन करने वाले महाराष्ट्र एवं राजस्थान से आने वाले लोगों के लिए आने वाले समय में व्यापार का यह बड़ा केंद्र भी दिखाई देगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई थी मौत, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। दुर्घटना में मौत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। नाहरगढ़ थाने पर बिल्लोद निवासी ओमप्रकाश राठौर ने शिकायत दर्ज कराई कि 21 जून 2023 को रात्रि में बिल्लोद निवासी बसन्तीलाल पिता सत्यनारायण तेली बाइक (एमपी 14 एमए 3265) से बिल्लोद आ रहे थे, इसी दौरान नाहरगढ़ पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिन्हें गंभीर हालत में मंदसौर के बाद उदयपुर भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान 26 जून 2023 को उनकी मौत हो गई थी। तहरीर जांच पर नाहरगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

विंध्य के आंचल में दो नए जिले लगाएंगे चार चांद

मैहर और पांढुर्णा चमकेंगे मप्र के नक्शे पर, सीएम शिवराज ने दो नए जिलों को दी स्वीकृति

भोपाल, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के नक्शे पर अब दो शहर और चमचमाएंगे, इन शहरों का कायाकल्प होगा, बेहतर सुविधाएं होंगी, प्रशासनिक मशीनरी और भी मजबूत होगी, रोजगार के विकल्प खुलेंगे। कुल मिलाकर अब इन शहरों के लिए विकास के नए द्वार खुलेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मैहर और पांढुर्णा को जिला बनाए जाने की स्वीकृति दे दी है। इस घोषणा के बाद राज्य में कुल जिलों की संख्या 55 हो गई है। इससे पहले 15 अगस्त को मऊगंज की 53वें जिले के रूप में घोषणा की गई थी। मैहर को जिला बनाए जाने की घोषणा से ही जनता विंध्य क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। जनप्रतिनिधियों द्वारा मैहर को जिला बनाए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। मैहर के साथ ही पांढुर्णा की भी राज्य के कुल राजस्व में एक बड़ी हिस्सेदारी है। नये जिले बनने से विंध्य क्षेत्र के विकास को तरक्की का नया आधार मिलेगा।

विंध्य के आंचल में 2 नए जिले–नये जिलों की घोषणा से विंध्य क्षेत्र के विकास की एक नई इबारत लिखी जाएगी। क्षेत्र की बसावट के आधार पर विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं के लिए बजट का आवंटन किया जा सकेगा। स्वास्थ्य, न्यायालय और मूलभूत सुविधाओं के साथ जिला संचालन के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था भी उपलब्ध हो सकेगी। मैहर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ ही यहां की जनता भी लंबे समय से एक अलग जिला बनाने की मांग कर रही थी, लोगों का कहना है कि यहां से भारी राजस्व मिलने के बाद भी क्षेत्र का विकास नहीं हो पा रहा था। लोगों को छोटे-मोटे काम कराने के लिए भी सतना जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी। अब सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इन मांगों को मान लिया है। राजस्व विभाग ने भी दो नये जिलों के गठन को लेकर आदेश जारी कर दिया है। दो नये जिले बनने के बाद राज्य में कुल 55 जिले हो गए हैं।

गांधी सागर का पानी हर खेत तक पहुंचेगा-वित्त मंत्री

वित्त मंत्री श्री देवड़ा ने विभिन्न कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन के मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ग्राम बैलारा में लागत 274.33 लाख रु से निर्मित होने वाली बैलारा से साबाखेड़ा मार्ग का भूमि पूजन, ग्राम मुंडकोषा में लागत 316.06 लाख रु से निर्मित होने वाले बालागुडा से मुंडकोषा

मार्ग का भूमि पूजन, ग्राम उमरिया में लागत 381.11 लाख रु से निर्मित होने वाले तालाब का भूमि पूजन, नैनोरा में लागत 49.14 लाख रु से निर्मित होने वाले अरोग्य भवन निर्माण का भूमि पूजन, पिपलियामंडी में कृषि उपज मंडी पिपलिया मंडी में कार्यालय भवन विस्तारीकरण कार्य का भूमि पूजन एवं नगर परिषद पिपल्या मंडी में 5 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन, रेलवे ओव्हरब्रिज का लोकार्पण किया। वित्त मंत्री श्री देवडा ने कहा कि गांधी सागर का पानी हर खेत तक पहुँचेगा, किसान अब एक नहीं तीन फसल ले सकेगा। जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर तक शुद्ध नल से जल मिलेगा। सरकार ने अनेक जल कल्याणकारी योजनाएं चलाइए जिसमें पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है। किसानों के लिए भी अनेक योजनाएं चलाएंगे। गांव को सड़कों से जोड़ा है।

कुश्ती दंगल आज

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। श्री नरसिंह घाट रेसलिंग सेंटर द्वारा आज 8 अक्टूबर को मंदसौर के संजय गांधी उद्यान में एक दिवसीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। दंगल में मप्र एवं राजस्थान के 54 पहलवानों के बीच 27 कुश्तियां होगी। विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के दिलीप ग्वाला, पवन ग्वाला, श्याम बम ग्वाला ने बताया की कुश्ती का आयोजन 8 अक्टूबर की शाम 4 बजे प्रारंभ होगा। कुश्ती दंगल का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में होगा। कुश्ती दंगल में मंदसौर, नीमच, देवास, उज्जैन, प्रतापगढ़, ब्यावर सहित अन्य क्षेत्रों के कई नामी पहलवान दांव-पेंच दिखाएंगे। कुश्ती आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण हो गई है।

क्रिकेट चयन प्रतियोगिता का आयोजन

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय के खेल प्रांगण में आज तहसील स्तरीय शालेय क्रिकेट चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस ने प्रतियोगिता में उपस्थित खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विद्यालय के क्रिकेट प्रशिक्षक देवेन्द्र बैरागी, नवीन खोखर ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में तहसील स्तरीय शालेय क्रिकेट चयन प्रतियोगिता मेंबालक वर्ग में 14, 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस चयन प्रतियोगिता में तहसील के लगभग सभी स्कूलोंके खिलाड़ियों ने अपने-अपने खेल एवं कौशल का हुनर दिखाया।

शहर कांग्रेस का भ्रष्टाचार के खिलाफ जय घोष जारी

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। नगर में शहर कांग्रेस द्वारा शहर अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर के नेतृत्व में व 11 मण्डलम अध्यक्षगणों के साथ निरंतर अलग-अलग मंडलम में रोजाना बूथ संपर्क के अंतर्गत भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है और भाजपा सरकार के राज में किए गए घोटाले के नारे खानपुरा क्षेत्र के गलियों व घाटियों में गूंजायमान हो रहे हैं। इसी कड़ी मे शुक्रवार को बूथ संपर्क अंतर्गत जनजागरण अभियान खानपुरा मण्डलम के वार्ड-30,31,32 व 33 में किया गया।

जिसमें निम्न नारे गूंजायमान हुए भ्रष्टासुर भाजपा के राज में... भाजपा के राज में... मंदसौर नगर पालिका ने क्या किया... पशुपतिनाथ मंदिर के कार्यों में... सड़कों के निर्माण में.... नालियों के निर्माण में....बिजली बिल के नाम पर.... नामांतरण के नाम पर....निर्माण अनुमति के नाम पर... मिड डे मील में क्या हुआ... राशन की दुकान पर... इन्हीं सब नारों के साथ शहर ब्लॉक कांग्रेस मंदसौर द्वारा भ्रष्ट भाजपा सरकार के खिलाफ चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के अंतर्गत शहर के खानपुरा मंडलम क्षेत्र में वार्ड नंबर 30,31,32 व 33 में सघन अभियान चलाया गया व घोटाला ही घोटाला के फोल्डर बांटे गए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर, प्रदेश युवक कांग्रेस महासचिव सोमिल नाहटा, प्रदेश प्रतिनिधि मनजीत सिंह टुटेजा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण में सर्वश्री डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, अजय लोढा, शैलेंद्र बघेरवाल, विनोद शर्मा, राजनारायण लाड, बबीता सिंह तोमर, इस्टा भाचावत, सुरेंद्र कुमावत आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी का आभार खानपुरा मंडलम के अध्यक्ष रमेश ब्रिजवानी ने माना। 8 अक्टूबर रविवार को शाम 6 से 7 बजे यह अभियान स्टेशन मण्डलम में आयोजित होगा।

बोलेरो में शराब तस्करी करते 3 गिरफ्तार, देशी शराब व बीयर की 7 पेटी जप्त

पिपलियामंडी, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। पुलिस ने बोलेरो वाहन में शराब तस्करी करते तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 7 पेटी शराब जब्त की। तीनों आरोपी पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के निवासी है। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना की सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस ने फोरलेन पर बरखेड़ापंथ में जलोदिया मार्ग पर नाकाबन्दी कर (एमपी 14 सीसी 3230) को रोका। तलाशी के दौरान 100 क्वार्टर देशी शराब, तीन पेटी बीयर में 36 बाटल, कुल 65 लिटर शराब जब्त की। जीप में सवार पिपलियामंडी थानान्तर्गत बही पार्श्वनाथ निवासी शांतिलाल उर्फ कालू (25) पिता श्यामलाल वर्मा, खेड़ा खदान निवासी पुष्कर (20) पिता रायसिंह गुर्जर व बाबूखेड़ा निवासी गजेन्द्र (18) पिता काशीराम मालवीय को गिरफ्तार कर आबाकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

अन्य मामलों में अवैध शराब के साथ 4 धराए:– पुलिस ने अवैध शराब के साथ 4 आरोपियों को पकड़ा। पिपलियामंडी पुलिस ने 20 लिटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ ढिकनिया निवासी करणसिंह पिता भंवरसिंह राजपूत को, 10 लिटर कच्ची शराब के साथ फाटक मोहल्ला पिपलिया निवासी कपिलसिंह पिता भंवरसिंह राजपूत को, नारायणगढ़ पुलिस ने 16 क्वार्टर के साथ गर्रावद निवासी मानसिंह बामनिया, नाहरगढ़ पुलिस ने 25 क्वार्टर के साथ खजूरी चन्द्रावत निवासी धनसिंह पिता देवीसिंह चन्द्रावत को।

तपस्वी की मासखमण की तपस्या पूर्ण होने पर निम्बोद में बीजी की रंगयात्रा एवं चल समारोह सम्पन्न

निम्बोद, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। निम्बोद निवासी श्रीमान गिरधारीलाल जैन की सुपौत्र वधु श्रीमती अमिता-अमित जैन ने दसलक्षण पर्यपयुषण के पावन पर्व पर 31 उपवास मासखमण की तपस्या पूर्ण हुई एवं सुपौत्र श्री हर्षित जैन ने 10 उपवास की तपस्या पूर्ण की गई। परिवारजन ने दोनो. तपस्वी की तपस्या पूर्ण होने पर ग्राम निम्बोंद में श्रीजी की रथयात्रा का आयोजन कर तपस्वी का शानदार चल समारोह आयोजित किया गया। जिसमें आसपास के अनेक जैन समाजजन एवं ग्रामवासियों ने भाग लेकर तपस्वी की जयजयकार, तपस्या करने वालो को धन्यवाद से बहुमान करते हुए चल समारोह निकाला गया। श्रीजी की रथ यात्रा में विराजित भगवान पार्श्वनाथजी का ग्राम निम्बद में जगह जगह जैन समाज के अलावा अन्य परिवारों ने भी भगवान का आशीष प्राप्त करते हुए परिवार एवं ग्राम की खुशहाली की कामना की गई।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	27	1883	2161
उडद	68	7000	9001
सोयाबीन	6500	3470	4690
गैहु	3251	2450	3061
चना	91	5250	5700
मसुर	184	5700	6301
धनिया	452	5300	6801
लहसुन	18200	6201	18011
मैथी	707	5400	7000
अलसी	1703	4640	4950
सरसो	289	4851	5301
तारामीरा	8	5186	5186
इसबगोल	23	16001	20593
प्याज	2068	612	2303
कलोंजी	52	12400	16726
डॉलर	5	4800	14300
तिल्ली	9	14800	15981
मटरसुखी	00	00	00
असालीया	6	9510	9671

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम:– सर्व साधारण

इस जाहीर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री सागरमल पिता मथुरालाल जी जाति तेली, निवासी ग्राम कान्दका, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 16, ग्राम कान्दका, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 119/1/2 रकबा 0.662 हें. भूमि स्थित हैं, जिसकी चतुरसीमा उत्तर में - सर्वे क्रमांक 121 की भूमि, दक्षिण में - सर्वे क्रमांक 119 मीन की भूमि, पूर्व में - सर्वे क्रमांक 120 की भूमि, पश्चिम् में - सर्वे क्रमांक 119 मीन की भूमि, को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 07.10.2023

भवदीय

नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

गांधी सागर फेस्टिवल 27 से

रोमांचक गतिविधियां रहेगी आकर्षण का केंद्र

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर फ्लोटिंग फेस्टिवल 27 अक्टूबर से शुरू होगा। इस दौरान टूरिस्ट जंगल घूम सकेंगे और प्राकृतिक सौंदर्य का नजारा कैद कर सकेंगे, लेकिन उन्हें चीता के दीदार नहीं होंगे। इस वर्ष 1 दिसंबर से पहली बार कूनो फॉरेस्ट फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इसके पहले 27 अक्टूबर से गांधी सागर फ्लोटिंग फेस्टिवल के दूसरे संस्करण का आयोजन होगा। पर्यटन विभाग और वन विभाग द्वारा लल्लूजी एंड संस के सहयोग से आयोजित किए जा रहे फेस्टिवल्स में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं, रोमांचक गतिविधियों का अनुभव भी मिलेगा। लग्जरी ग्लेम्पिंग अनुभव प्रदान करने हेतु टेंट सिटी विकसित की गई है। साथ ही स्थानीय कलां एवं संस्कृति को प्रचारित करने विभिन्न गतिविधियां भी होंगी। मुख्य वन्यजीव वार्डन असीम श्रीवास्तव ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण के संदेश का प्रचार-प्रसार इन फेस्टिवल्स के माध्यम से होगा। वन्यजीव संरक्षण का संदेश एक चेन रिएक्शन के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करेगा। इन फेस्टिवल्स के माध्यम से लोग वन्यजीव को करीब से जानेंगे और प्रकृति के ईको सिस्टम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समझेंगे।

गांधीसागर के शांत बेकवॉटर पर गांधी सागर फ्लोटिंग फेस्टिवल के दूसरे संस्करण का आयोजन 27 अक्टूबर से होगा। गांधी सागर वन्यजीवन अभ्यारण्य के नजदीक यह फेस्टिवल रोमांच, मनोरंजन और संस्कृति का बेहतरीन संगम होगा। रोमांचक गतिविधियों जैसे कायकिंग, जैट स्कीइंग, हॉट एयर बैलूनिंग, हॉर्स राइडिंग, एयर गन शूटिंग, स्पीड बोटिंग, पैरासेलिंग और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आनंद उठा सकते हैं। जंगल सफारी के दौरान क्षेत्र के समृद्ध वन्यजीव देखने का मौका भी मिलेगा। पारंपरिक कलां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों को प्रचारित किया जाएगा। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट (टेंट सिटी) में पर्यटक सर्वसुविधायुक्त एवं ऑल-वेदर टेंटस में लग्जरी ग्लेम्पिंग का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

मिलेगा घर से दूर घर का आनंद...

कूनो फॉरेस्ट फेस्टिवल और गांधी सागर फ्लोटिंग फेस्टिवल दोनों आपको एक नया अनुभव प्रदान करेंगे। प्रकृति के बीचों-बीच बनी लग्जरी टेंट सिटीज में आप मध्यप्रदेश के खूबसूरत प्राकृतिक नजारों केबीच आधुनिक एवं आरामदायक जीनवशैली का अनुभव पा सकेंगे।

गोबर से निर्मित संध्या माता की हो रही पूजा अर्चना

नगरी, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में श्राद्ध पक्ष में सनातन परंपरानुसार गाय के गोबर से संध्या माता बनाकर प्रतिदिन पूजा कर सुख समृद्धि की कामना करते हुए विद्यालय की छात्राओं द्वारा पुजा की जा रही है। प्रधानाचार्य श्रीराम बंबोरिया ने बताया कि भारतीय सनातन संस्कृति एवं धर्मानुकरण करते हुए संस्था में श्राद्ध पक्ष में छात्राओं द्वारा गोबर से संध्या माता बनाकर प्रतिदिन पूजा अर्चना की जा रही है। संस्था के शिक्षिका कुसुम पाठक , ललिता धाकड एवं अन्य के मार्गदर्शन में प्रतिदिन विद्यालय की बालिकाओं द्वारा आधुनिकता के इस दौर में भी परंपरागत ढंग से गोबर निर्मित संध्या माता बनाकर मालवी गीतों को गाकर संध्या माता की पूजा कर वंचित मनोकामना पुरी करने की कामना की जा रही है।

परिवहन विभाग ने टेक्स में की 50 फीसदी की कमी...

अब बसों का किराया होगा कम

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। त्यौहारों के अवसर पर प्रदेश में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली यात्री बस और स्कूल बसों का किराया और मालवाहक ट्रांसपोर्ट की दरें कम होंगी। परिवहन विभाग ने अधिसूचना जारी कर ट्रांसपोर्ट एवं रजिस्ट्रेशन टैक्स की दरों में 50 फीसदी से ज्यादा कटौती की है। जिससे अब यात्री बस-मालवाहक वाहन उद्योग की संचालन लागत भी कम हो जाएगी। अपर आयुक्त अरविंद सक्सेना के मुताबिक प्रदेश में यात्री बसों से पहले प्रति सीट प्रतिमाह 700 रुपए ट्रांसपोर्ट टैक्स लिया जाता था, जिसे अब 200 रुपए किया गया है। स्कूल वाहनों पर सालाना प्रति सीट अब केवल 12 रुपए शुल्क लिया जाएगा। मालवाहक भारी वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर प्रदेश में अब 8 की बजाए 5 प्रतिशत वाहन मूल्य का टैक्स वसूला जाएगा। इसके अलावा कमर्शियल एवं कृषि वाहनों के रजिस्ट्रेशन शुल्क में भी बदलाव किए गए हैं।

25 से 30 प्रतिशत कम होगा किराया...

ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट यात्री बसें, स्कूल बसों पर प्रति सीट टैक्स कम होने से अब यात्रियों से लिया जाने वाला किराया 25 से 30 प्रतिशत कम हो जाएगा। प्रायवेट बस ऑपरेटर एसोसिएशन के मुताबिक अधिसूचना का अध्ययन करने के बाद नई दरें लागू की जाएंगी। इसी प्रकार शहर के स्कूलों में अटैच अनुबंधित स्कूल वाहनों को भी टैक्स में छूट मिल गई है पहले इनसे सामान्य यात्री बसों की तरह टैक्स लिया जाता था। ट्रक ऑपरेटरों की पुरानी मांग को पूरा करने के लिए रजिस्ट्रेशन दरें कम की गई हैं।

यह किए बदलाव...

✻ मध्यप्रदेश में अन्य राज्य से किसी फैक्ट्री/संस्था के कर्मचारियों को प्रदेश में स्थित फैक्ट्री-संस्था में लाने-ले जाने वाले वाहनों पर अब राज्य में टैक्स लिया जाएगा। ✻ वास्तविक कृषकों से भिन्न व्यक्तियों के कृषि प्रयोजनों के उपयोग वाले ट्रेक्टर, ट्रैक्टर-ट्रेलर, हार्वेस्टर आदि वाहनों पर वाहन के मानक मूल्य का 10 प्रतिशत लाइफ टाइम टैक्स लगता है जिसे अब एक प्रतिशत किया गया है।

ट्रक से मिला 30 क्विंटल से ज्यादा मादक पदार्थ

एक आरोपी गिरफ्तार, सीबीएन की कार्रवाई

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ स्थित महू नीमच रोड से सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स ने कार्रवाई करते हुए ट्रक से 3025 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। 150 बेग में यह मादक पदार्थ भरकर ले जाया जा रहा था। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

सीबीएन के अधिकारियों ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी प्राप्त होने के बाद कि एक ट्रक जिसका रजिस्ट्रेशन नं. राजस्थान का है। मंदसौर क्षेत्र से बीकानेर (राजस्थान) में भारी मात्रा में डोडा चूरा ले जा रही थी। सीबीएन जावरा के अधिकारियों की एक टीम का गठन कर देर रात को रवाना किया गया। संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई और सीबीएन अधिकारियों द्वारा वाहन की सफल पहचान के बाद, ट्रक को ई-अश्व ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के पास रोक लिया गया। लगातार पूछताछ करने पर चालक ने बताया कि ट्रक में मादक पदार्थ है। चूंकि सुरक्षा कारणों से हाईवे पर ट्रक की तलाशी लेना संभव नहीं था, इसलिए उसे सीबीएन कार्यालय लाया गया। ट्रक की गहनता से तलाशी ली गई और पोस्ता स्ट्रॉ के कुल 150 प्लास्टिक बैग जिनका वजन 3025 किलोग्राम था, बरामद किया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, ट्रक सहित बरामद पोस्ता भूसे को जब्त कर लिया गया है और एक व्यक्ति को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस नेता जोकचन्द्र के पिता के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, वित्तमंत्री देवड़ा सहित जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक

पिपलियामंडी, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विकांग्रेस नेता श्यामलाल जोकचन्द्र के पिता नन्दराम जोकचन्द्र के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शोक संदेश पत्र भेजकर दु:ख जताया। इधर मल्हारगढ विधायक व प्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रदेश के पूर्व उघोग मंत्री नरेन्द्र नाहटा, मेघवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल डेनवाल, मियांजी सरकार मंदसौर, पूर्व विधायकगण नन्दकिशोर पटेल नीमच, नवकृष्ण पाटिल मंदसौर, पुष्पा भारती सुवासरा, मंदसौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, मंदसौर जनपद अध्यक्ष बसन्त शर्मा, नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजीत कांठेड, प्रदेश कांग्रेस पूर्व महामंत्री महेन्द्र गुर्जर व मंगेश संघई, मल्हारगढ़ जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कन्हैयालाल पाटीदार, जिला पंचायत सदस्य दीपकसिंह चोहान व भोपालसिंह सोलंकी, युवा कांग्रेस पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमिल नाहटा, नीमच मंडी व जनपद के पूर्व अध्यक्ष उमरावसिंह गुर्जर, नीमच नपा की पूर्व अध्यक्ष नीता हरीश दुआ, नीमच मंडी के पूर्व अध्यक्ष निरंजन तिवारी, जावद जनपद के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया, मल्हारगढ विस के पूर्व कांग्रेस प्रत्याक्षी परशुराम सिसोदिया, मल्हारगढ़ ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, पिपलिया भाजपा मण्डल अध्यक्ष सामन्तसिंह शक्तावत, संजीत ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वर धाकड, धुधड़का ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल रांका, जीरन ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुवासरा विस कांग्रेस के पूर्व प्रत्याक्षी राकेश पाटीदार, पिपलिया नप के पूर्व अध्यक्षगण राजेन्द्र भारद्वाज, चोथमल गुप्ता व कचरमल राठौर, पिपलिया कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार व सुरेश रुपरा, पूर्व उपाध्यक्ष कमलेश पटेल, भाजपा के पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजेश दीक्षित, जिला कांग्रेस नीमच उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर पालीवाल, बडी सादडी पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजा चोधरी, मंडी व्यापारी रुपचन्द होतवानी, पूर्व जनपद सदस्य जितेन्द्रसिंह राजाखेडी, विकास दशोरा, जिला पंचायत के पूर्व सदस्यगण त्रिलोक पाटीदार भानपुरा, दीपक जैन झारडा व ब्रम्हानन्द पाटीदार मंदसौर, पूर्व जनपद सदस्य श्यामसिंह लकवा, बालूसिंह तरनोद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवलाल पाटीदार पानमोडी, मल्हारगढ जनपद की पूर्व अध्यक्ष मांगीबाई पाटीदार सहित कई जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, कांग्रेस-भाजपा व अन्य संगठनों के नेताओं ने जोकचन्द्र के निवास पहुंच शोक व्यक्त किया।

पालतू घोड़ी की मौत की शंका में पीटा

पिपलियामंडी, 7 अक्टूबर गुरू एक्सप्रेस। पालतू घोडी की मौत की शंका में मारपीट करने वाले पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। बाजखेडी निवासी दिनेश पिता रामचन्द्र मेघवाल ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पडोस में रहने वाले मदनलाल पिता पन्नालाल मेघवाल की घोडी किसी कारणवश मर गई, इसी शंका को लेकर रंजिश रखते हुए गाली-गलौज की व लकडी से मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज किया।

कटर मशीन से काटा एटीएम, 24 लाख रुपए ले गए बदमाश

नीमच, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जावद थाना क्षेत्र के सरवानिया महाराज में शुक्रवार रात्रि में चोरों ने एसबीआई बैंक के एटीएम को निशाना बनाकर नकदी पर हाथ साफ कर लिया। अपराधियों ने कटर से एटीएम मशीन को काटा और वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद सरवानिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। बाद में पुलिस कप्तान और उपकप्तान भी मौके पर पहुंचे और पुलिस कार्यवाही

जानकारी के अनुसार नगर के जावी चोराहे पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एसबीआई के एटीएम को बीती रात्रि में अज्ञात चोरों ने कटर से काट दिया और नगदी लें गये। चोरी की ये बड़ी वारदात शहर के मुख्य मार्ग नीमच सिंगोली रोड, जावी चोराहे पर स्थित एटीएम में की गई। यंहा अक्सर पुलिस चौकी की पेट्रोलिंग पार्टी डेरा डाले रहती हैं। बताया जा रहा है कि एटीएम के अंदर करीब 24 लाख का केस मौजूद था। पुलिस अब आसपास के सीसी कैमरे के माध्यम से चोरों का पता लग रही है। सरवानियां महाराज पुलिस की बिगड़ती कानून व्यवस्था और मूल पुलिसिंग से दुर रहने के कारण क्षेत्र में बड़ी चोरियां अब आम बात हो गई है। बता दें कि धामनिया जावद में आठ लाख की चोरी का आज तक पर्दाफाश नहीं हुआ और रोहित मालवीय की रहस्यमय मौत के मामले में पुलिस अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। एक और बड़ा घटनाक्रम एटीएम चोरी का सामने आ गया है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गईथी।

मिलेट्स से बने आटे पर अब नहीं चुकाना होगा टैक्स

नईदिल्ली, 7 अक्टूबर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारम की अध्यक्षता में कांउसिल की 52वीं बैठक हुई। जीएसटी की बैठक में आम लोगों को राहत देने वाला फैसला हुआ। मिलेट्स से बने आटे पर कोई जीएसटी नहीं लगेगी।

बिजनेस डेस्क, नई दिल्ली। शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारम की अध्यक्षता में जीएसटी कांउसिल की 52वीं बैठक हुई। जीएसटी की बैठक में आम लोगों को राहत देने वाला फैसला हुआ। मिलेट्स से बने आटे पर कोई जीएसटी नहीं लगेगी। निर्मला सीतारमण ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि आटे में अगर 70 प्रतिशत तक मिलेट्स होगा, तो उसकी खुली बिक्री होने पर जीएसटी नहीं लगेगा। मिलेट्स के आटे को पैकेट में बेचने पर 5 प्रतिशत तक जीएसटी लगाई जाएगी, जो पहले 18 प्रतिशत तक थी। मिलेट्स को आम भाषा में मोटा अनाज कहा जाता है। मोटा अनाज ज्वार, बाजरा और रागि आदि होता है। मोटे अनाज से बने आटे पर सरकार ने छूट दी। अभी तक मोटे अनाज से बने आटे पर 18 प्रतिशत तक का जीएसटी लगता था। मोदी सरकार ने जी20 प्रेसिडेंसी में मोटे अनाज का काफी प्रचार किया था।

वोकल फ़ॉर लोकल को लेकर ग्राहक पंचायत ने निकाली जन जागरूकता रैली

मंदसौर, 7 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला ईकाई मंदसौर के द्वारा स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित ग्राहक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत गांधी चौराहे से की गई थी रैली को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, जिला न्यायाधीश हर्षसिंह बहरावत ने कहा कि इस संसार में जिसने भी जन्म लिया है वह जब तक इस संसार में रहता है वह ग्राहक है। उन्होंने ग्राहकों को खरीदारी करते समय जागरूकता बरतने व हर खरीदी का पक्का बिल प्राप्त करें। किसी प्रकार से वस्तु या सेवा में कमी होने पर विधिक सेवा प्राधिकरण मैं संपर्क करें। रैली को हरी झंडी जिला न्यायाधीश हर्ष सिंह बहरावत ने दिखाई। ग्राहक पंचायत की ओर से जिला न्यायाधीश श्री बहरावत को ग्राहक पंचायत की पुस्तिका भेंट की। उसके बाद रैली गांधी चौराहे से आगे बढ़ी। रैली गांधी चौराहे से बस स्टैंड, घंटाघर, कालाखेत , नीलम होटल, दयामन्दिर होते हुए पुन: गांधी चौराहे पर पहुँची वहां उसका समापन किया गया। रैली का आयोजन ग्राहक पंचायत के द्वारा किया गया था जिसमें श्रीजी नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राएं, पेरालिगल वांलिटियर ने सहयोगी की भूमिका निभाई। रैली में तख्तियों पर ग्राहक पंचायत के पदाधिकारी व श्रीजी नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राओ ने ग्राहक जागरूकता के नारे व पर्यावरण सरक्षंण के नारे लिखे थे उनको लेकर वह चल रहे थे। कार्यक्रम की समाप्ति पर ग्राहक पंचायत की तरफ से नर्सिंग छात्र छात्राओं को ग्राहक पंचायत की पुस्तिका भेंट की। कार्यक्रम का संचालन ग्राहक पंचायत के अभ्यास मंडल प्रमुख उमरावसिंह जैन ने किया व आभार जिला सचिव विजय कोठारी ने माना। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष नवनीत शर्मा, जिला सचिव विजय कोठारी आशीष भाटिया, उमरावसिंह जैन, रणजीत जायसवाल, निलेष सेन, शुभम भाटी, रवि राठौर, भूपेंद्र बैरागी, शैलेन्द्र चौहान, अंशुल जैन, नरेंद्र बंधवार, कल्पेश शर्मा, अर्पित ओसवाल, पंकज सेठिया, बीएस गुप्ता, महिला इकाई अध्यक्ष सुधा कुर्मी, सचिव डॉली मक्कड़, सविता रावल, सुमित्रा शर्मा, किरण वर्मा सहित ग्राहक पंचायत के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टीआई आरसी डांगी को... पेज 1 से जारी

खासी चर्चा है। विगत दिनों टीआई ने डेढ सौ पेटी शराब पकडी थी। जिसमें एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया। अब चर्चा है कि शराब ठेकेदार को नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। इसी कारण बिना किसी कारण के टीआई को लाईन भेज दिया गया। कार्रवाई करना टीआई को भारी पड़ा। अब सीतामऊथाने की कमान किशोर पाटन वाला संभालेगे। इधर टीआई डांगी को हटाने के मामले ने सोशल मीडिया पर भी खासा तुल पकड लिया है। व्हाटसएप ग्रुप में चल रही पोस्ट के अनुसार क्षत्रिय डांगी समाज में भी इसको लेकर आक्रोश है। समाज का एक प्रतिनिधि मंडल मल्हारगढ विधानसभा विधायक तथा प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा से मुलाकात करने पहुंचा। यहां इस मामले को लेकर चर्चा की गई। अब आज रविवार को कचनारा बाबा रामदेव मंदिर परिसर में क्षत्रिय डांगी समाज की बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। समाजजनों का कहना है कि लाइन हाजिर कार्रवाई से समूचे क्षेत्र की जनता, नेताओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले... पेज 1 से जारी

ले गया। जहां किसी गांव में किराये का मकान लेकर पीडिता के साथ शादी की और पीडिता के साथ जबरदस्ती कई बार गलत काम किया और पीडिता को आरोपी ने पत्नी होने का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता की उक्त रिपोर्ट पर से पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक श्रीमती दीप्ति कनासे द्वारा किया गया।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी रामटेकरी मंदसौर स्थित सोसाइटी भूखंड क्रमांक 198 श्री नरेन्द्र सिंह पिता श्री रामसिंह चौहान को वर्ष 1976 में आवंटित हुआ था। उक्त भूखंड का पट्टाभिलेख दिनाक 10.06.1976 उप पंजीयक कार्यालय में निष्पादित किया गया था । श्री नरेन्द्र सिंह चौहान पिता श्री रामसिंह चौहान का स्वर्गवास दिनांक 08.10.2019 को हो चूका है इनकी पत्नी श्रीमती सोहन कुंवर पति स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा पारिवारिक व्यवस्थापन लेख दिनांक 05.05.2023 को पंजीकृत करवाया जिसमे उक्त भूखंड श्री दौलत सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान एवं श्री राजेन्द्र कुंवर पति स्व. श्री राजेन्द्र सिंह चौहान को दिया। उक्त पारिवारिक व्यवस्थापन के आधार पर श्री दौलत सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान एवं श्री राजेन्द्र कुंवर पति स्व. श्री राजेन्द्र सिंह चौहान उक्त भूखंड का नामांतरण संयुक्त रूप से अपने नाम करवाना चाहते है ।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखंड का नामांतरण श्री दौलत सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान एवं श्री राजेन्द्र कुंवर पति स्व. श्री राजेन्द्र सिंह चौहान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा ।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG C-11 श्री नरेन्द्र सिंह चौहान पिता श्री रामसिंह चौहान को वर्ष 1988 में आवंटित हुआ था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनाक 31.05.2006 उप पंजीयक कार्यालय में निष्पादित किया गया था। श्री नरेन्द्र सिंह चौहान पिता श्री रामसिंह चौहान का स्वर्गवास दिनांक 08.10.2019 को हो चुकी है इनकी पत्नी श्रीमती सोहन कुंवर पति स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा पारिवारिक व्यवस्थापन लेख दिनांक 05.05.2023 को पंजीकृत करवाया जिसमे उक्त भवन इनके पुत्र श्री चंद्रपाल सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान को दिया गया। श्री चंद्रपाल सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान उक्त पारिवारिक व्यवस्थापन एवं विक्रय विलेख में नामजदगी के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्री चंद्रपाल सिंह चौहान पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह चौहान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट
गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 07.10.2023

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामबिलास पिता रूघनाथ प्रजापत जाति कुम्हार निवासी ग्राम सेमलिया हीरा तहसील दलौदा जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो मकान नं. 478 पर दर्ज होकर, वार्ड क्रमांक 12. ग्राम सेमलिया हीरा गाईड लाईन अनुसार पटवारी हल्का नम्बर 09 तहसील दलौदा जिला मन्दसौर का सहस्वामी विधिवत रजिस्टर्ड सहस्वामित्व लेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392023ए12425332 दिनांक 03.10.2023 से अपनी पत्नी श्रीमती लताबाई प्रजापत पति रामबिलास प्रजापत, जाति कुम्हार, निवासी ग्राम सेमलिया हीरा तहसील दलौदा जिला मंदसौर को बनाया है। उक्त मकान की चतु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तुसीमा-पूर्व में-गली, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-नवीन, दक्षिण में-चैनराम, पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 60 फीट, उत्तर से दक्षिण 15 फीट, कुल क्षेत्रफल- 900 वर्गफीट या 83.61 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर श्री रामबिलास पिता रूपनाथ प्रजापत जाति कुम्हार निवासी ग्राम सेमलिया हीरा तहसील दलौदा जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in